

संतुलित जीवन से जीवन की सुरक्षित यात्रा-गुप्ता

स्पीड, से टी और आध्यात्मिकता पर स मेलन का शुभारंभ

आबू रोड, ख- जुलाई, निसं। आज तेजी से सड़क में दुर्घटनाओं में तेजी से इजाफा हो रहा है। परन्तु देखने में यही आया है कि जीवन में तनाव और उलझन ही दुर्घटनाओं को आमंत्रित करती है। दूसरा सबसे बड़ी वजह नशा है। इसलिए दुर्घटनाओं को रोकना है तो जीवन को संतुलित बनाना होगा। उक्त उद्गार एनएआईआर के महानिदेशक राजीव गुप्ता ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में यातायात एवं परिवहन प्रभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए आयोजित स मेलन में व्यक्त कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सड़क हो या रेलवे हर जगह स्वस्थ संतुलन की अति आवश्यकता है। तनाव और नशे का सेवन सड़क दुर्घटना का प्रमुख कारण है। जल्दीबाजी और असंतुलित मानसिक स्थिति ऐसे स्थितियों को आमंत्रित करती है। मनुष्य को जीवन की यात्रा में भी सही सोच एवं व्यवहार की जरूरत है। राजयोग और आध्यात्मिक ज्ञान ऐसी स्थितियों में मददगार साबित हो सकता है।

यातायात एवं परिवहन प्रभाग की उपाध्यक्षा बीके दिव्यप्रभा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि बढ़ते हुए दुर्घटनाओं को रोका जाये। ऐसा देखने में आया है कि जब व्यक्ति उलझन में होता है तब उसकी एकाग्रता भंग होती है। और वही दुर्घटना कारण बनती है। इसलिए राजयोग के जरिये मन को संतुलित रखना जरूरी है। नार्दन रेलवे के सीपीओ अंगराज मोहन ने कहा कि राजयोग और ध्यान ही एक ऐसा माध्यम जिससे इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता है। इसलिए सरकार भी इसके लिए एक मुहिम चलानी चाहिए।

ज्ञान सरोवर की निदेशिका डा निर्मला ने कहा कि सड़क दुर्घटना से ज्यादा जीवन में दुर्घटना है जिससे व्यक्ति हमेशा के लिए आहत हो जाता है। ऐसी स्थितियां ही समाज को बिगाड़ रही है। ऐसे में जरूरी हो गया है कि राजयोग से ही स भव है। यातायात एवं परिवहन प्रभाग के मु यालय संयोजक बीके सुरेश शर्मा, लोजिस्टिक एमआरसी के चेयरमैन राजपाल आर्य, मलाड की प्रभारी बीके कुन्ती ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किये।

यह स मेलन तीन दिन तक चलेगा जिसमें यातायात एवं परिवहन से जुड़ी समस्याओं के सकारात्मक समाधान ढूँढे जायेंगे। कार्यक्रम मु बई की बीके संगीता ने किया।

फोटो, ख-एबीआरओपी, क, ख, फ, ब, ५ स मेलन का उद्घाटन करते अतिथि, सभा में उपस्थित लोग।